पंतनगर विष्वविद्यालय में स्नातकोत्तर षिक्षा की गुणवत्ता वृद्धि पर कार्यषाला

पंतनगर। 14 मई, 2010। पंतनगर विष्वविद्यालय में अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर षिक्षा द्वारा प्रौद्योगिक महाविद्यालय के सभागार में 'स्नातकोत्तर षिक्षा की गुणवत्ता वृद्धि' विषय पर कार्यषाला का आयोजन किया गया जिसमें विष्वविद्यालय के विभिन्न स्नातकोत्तर विभागों के अध्यक्ष उपस्थित थे। कार्यषाला की अध्यक्षता करते हुए डा. के.के. सिंह, अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर संकाय ने बदलते हुए समय में उच्च कृषि षिक्षा की चुनौतियों की चर्चा करते हुए कहा कि आज हमारे विष्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे आने की आवष्यकता है। कार्यषाला में षिक्षा की चुनौतियों पर गहन चर्चा हुई। डा. एम.पी. सिंह, अधिष्ठाता, प्रौद्योगिकी ने बताया कि पंतनगर विष्वविद्यालय में प्रारम्भ से ही षिक्षण के अभिनव प्रयोगों पर जोर रहा है। आज सूचना एवं संचार तकनीकों के साथ–साथ तकनीकी ज्ञान की तेजी से वृद्धि हो रही है। डा. बी. कुमार, निदेषक, संचार ने बताया कि षिक्षण तकनीकों के प्रयोग से षिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकता है। विभागाध्यक्षों ने षिक्षा की विभिन्न समस्याओं को बताते हुए नये षिक्षण पद्धतियों के प्रयोग पर जोर दिया। डा. अनिल कुमार, विभागाध्यक्ष एम.वी.जी. ने षिक्षकों को षिक्षण कला के उपर चयन करने की राय दी। स्नातकोत्तर षिक्षा में उच्च स्तर के ज्ञान की आवष्यकता है। इसके लिए हमें षिक्षकों के उच्च प्रषिक्षण की आवष्यकता है, ताकि आने वाले कल के लिए सक्षम वैज्ञानिक तैयार किये जा सकें। षिक्षकों के सतत मूल्यांकन एवं नवीन षिक्षण तकनीकों के प्रयोग के साथ–साथ सुविधाओं के विकास पर बल देने की आवष्यकता महसूस की गयी। डा. रीता सिंह रघुवंषी, अधिष्ठाता गृह विज्ञान ने उत्कृष्ट षिक्षण के लिए समस्या–मूलक षिक्षण, षिक्षण माध्यमों के प्रयोग एवं नेतृत्व विकास के प्रयासों की सिफारिष की।

कार्यषाला की अध्यक्षता करते अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर संकाय डा. के.के. सिंह